हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन परंपरा

डॉ. नवीन नन्दवाना

हिन्दी विभाग

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

www.fppt.info

शिव सिंह सेंगर

- ग्रंथ का नाम - शिव सिंह सरोज
- प्रकाशन वर्ष – 1883
- प्रकाशन – नवलकिशोर, लखनऊ से

www.fppt.info

शिव सिंह सरोज

- इससे पूर्व किसी भी ग्रंथ में इतने कवियों का परिचय नहीं दिया गया था इसलिए हिन्दी साहित्य के इतिहास का प्रस्थान बिन्दु कहा गया है।
- हिंदी की जड़ की खोज करते हुए कवि पुंड तक पहुंचा गया है।
- इसमें 1000 कवियों के जीवन चरित दिया गया है।

www.fppt.info

जार्ज ग्रियर्सन

- द मॉडर्न वर्नेक्यूलर लिटरेचर ऑफ़ हिंदोस्तान
- प्रकाशन वर्ष - 1888
- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ बंगाल की पत्रिका के विशेषांक के रूप में प्रकाशित हुआ।

www.fppt.info

द मॉडर्न वर्नेक्यूलर लिटरेचर ऑफ़ हिंदोस्तान

- नाम से इतिहास न होते हुए भी सच्चे अर्थों में हिंदी साहित्य का पहला इतिहास कहलाता है।
- यह अंग्रेजी भाषा में रचित है।
- इसमें केवल हिंदी के कवियों को स्थान दिया गया है।

www.fppt.info

द मॉडर्न वर्नेक्यूलर लिटरेचर ऑफ़ हिंदोस्तान

- यहाँ हिन्दुस्तान से अभिप्राय हिंदी भाषा-भाषी प्रदेश से है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया है कि इसमें न तो संस्कृत-प्राकृत को शामिल किया गया है न ही अरबी-फ़ारसी मिश्रित उर्दू को। इस प्रकार यह ग्रंथ स्पष्टतया हिंदी से संबंधित इतिहास ग्रन्थ है

www.fppt.info

द मॉडर्न वर्नेक्यूलर लिटरेचर ऑफ़ हिंदोस्तान

- कवियों व लेखकों की संख्या 952 है।
- यहाँ वर्गीकरण कालक्रमानुसार करते हुए उनके नामकरण का प्रयास द्रष्टव्य होता है।

www.fppt.info

धन्यवाद !

www.fppt.info